

## स्थाईकरण हेतु निर्धारित प्रपत्र

**तृतीय वेतन शृंखला अध्यापक/शारीरिक शिक्षक/पुस्तकालयाध्यक्ष/ प्रयोगशाला सहायक  
कनिष्ठ लिपिक/प्रयोगशाला सेवक/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी/जमादार हेतु**

- 1 नाम कर्मचारी .....
- पदस्थापन स्थान .....
- 2 पद .....
- 3 जन्म दिनांक 

--	--	--	--	--	--

 .....
- 4 पिता/पति का नाम .....
- 5 शैक्षिक योग्यता मय वर्ष .....
- 6 प्रशैक्षिक योग्यता मय वर्ष .....
- (कॉलम 6 व 7 में प्रमाण पत्रों की छाया प्रति संलग्न करें तथा राजस्थान के बाहर से परीक्षा उत्तीर्ण की हो तो उल्लेख प्रपत्र में करें)
- 7 प्रथम नियुक्ति दिनांक व पदस्थापन स्थान .....
- 8 प्रथम नियुक्ति का पद .....
- 9 नियुक्ति के समय आयु .....
- 10 वर्तमान पद पर नियुक्ति आदेश क्रमांक व दिनांक (आदेश की पूर्ण छाया प्रति संलग्न करें)
- 11 वर्तमान पद पर कार्यग्रहण तिथि .....
- 12 वर्तमान पद पर नियुक्ति का जिला .....
- 13 पुनः नियुक्ति/सेवानुद्धि आदेश क्रमांक (आदेश की छाया प्रति संलग्न करें) .....
- 14 पुनः नियुक्ति पर कार्यग्रहण दिनांक व पद स्थापन स्थान .....
- 15 नियुक्ति का प्रकार .....
- 16 वर्तमान वेतन एवं वेतन शृंखला .....
- 17 सी.सी.ए. 16 व 17 में कोई विभागीय जांच चल रही है या नहीं .....
- 18 अध्यापक का परीक्षा परिणाम कम से कम दो वर्षों का (आदेश की छाया प्रति संलग्न करें)
- 19 वर्तमान में अनवरत कार्यरत हो तो हाँ / नहीं ( )
- 20 अन्तर जिला स्थानान्तरण के आदेश क्रमांक (आदेश की छाया प्रति संलग्न करें) .....
- 21 अन्तरजिला कहाँ से हुए है व इस जिले में कार्यग्रहण दिनांक .....
- 22 विशेष विवरण .....

नोट :- अन्य जिले से इस जिले में स्थानान्तरण होकर आये कार्मिक दो प्रतियों में भेजे।

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त प्रपत्र में जो विवरण प्रस्तुत किया है वह सही है तथा कोई तथ्य छिपाया नहीं गया है। यदि कोई तथ्य असत्य पाया जाता है। तो उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व मुद्र पर होगा।

दिनांक .....

हस्ताक्षर कर्मचारी

### बी.ई.ई.ओ./संस्था प्रधान द्वारा प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/सुश्री/श्रीमती .....

पद ..... का उपरोक्त विद्यालय रेकॉर्ड/सेवा अभिलेख से मिलान कर लिया गया है तथा पूर्णतः सही है उक्त कर्मचारी के विरुद्ध सी.सी.ए. 16 व 17 में कोई अनुशासनात्मक, विभागीय जांच/कार्यवाही नहीं चल रही है व उक्त अवधि में इनके वार्षिक कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन में कोई प्रतिकूल प्रविष्टि नहीं है इनका कार्य व्यवहार सतोषजनक है। अतः स्थाईकरण की अभिराषा की जाती है।

दिनांक .....

हस्ताक्षर संस्था प्रधान  
प्रा.वि./उ.प्रा.वि.

दिनांक .....

हस्ताक्षर संस्था प्रधान  
प्रा.वि./उ.प्रा.वि./बी.ई.ई.ओ.